

प्रेस विज्ञप्ति
भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान नई दिल्ली के द्वारा किसान दिवस का
आयोजन एवं किसानों का सम्मान

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं, नई दिल्ली 110 012

23 दिसंबर, 2022

भारतीय कृषि एवं कृषकों के उत्थान में श्री चौधरी चरण सिंह जी के अद्वितीय योगदान हेतु उनके स्मरण में देश हर साल 23 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाता है। इस दिन भारत अपने 5वें प्रधानमंत्री श्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिन पर उनको नमन करता है, जिन्होंने भारतीय किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियों की शुरुआत की। भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. अशोक कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 23 दिसंबर, 2022 को **“किसान दिवस एवं स्वच्छता अभियान”** का आयोजन सुज्जानपुर आखाड़ा, गाज़ियाबाद (उ.प्र.) में आस-पास के गाँवों के किसानों के साथ किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रवीन्द्रनाथ पडारिया, संयुक्त निदेशक (प्रसार) तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री अनिल गौतम सदस्य जिला पंचायत उपस्थित थे।

इस अवसर पर स्वर्गीय श्री चौधरी चरण सिंह जी के स्मरणीय कार्यों व संकल्पों की चर्चा के साथ-साथ कृषकों को सामायिक फसलों के प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों की जानकारी पूसा संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा दी गयी। गेहूं एवं अन्य सब्जियों के विभिन्न कीट एवं रोगों के प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली एवं पराली प्रबंधन हेतु पूसा संस्थान द्वारा विकसित ‘पूसा डीकंपोजर’ के उपयोग कि विस्तृत जानकारी दी गई। ‘पूसा डीकंपोजर’ धान के त्वरित क्षरण के लिए IARI द्वारा विकसित कवक का एक माइक्रोबियल कंसोर्टियम है जो 20-25 दिनों में पुआल को खाद में परिवर्तित कर देता है। वर्ष 2021 में पूसा डीकंपोजर को दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों में 13,420 हेक्टेयर में अपनाया गया है। पूसा संस्थान द्वारा चलाये जा रहे SCSP परियोजना की गतिविधियों एवं पूसा संस्थान स्थित एटिक की सुविधाओं के बारे में बताया गया तथा किसान कॉल सेंटर के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर अखाड़ा एवं आस-पास के गाँवों के लगभग 300 किसानों ने भाग लिया। **“किसान दिवस”** के सुअवसर पर आधुनिक तकनीकों उपयोग एवं उन्नतशील कृषि को प्रोत्साहन करने हेतु 10 नवोन्मेषी किसानों को सम्मानित भी किया गया।

श्री अनिल गौतम, सदस्य जिला पंचायत, ने किसानों को संबोधित करते हुए उन्हें वैज्ञानिक तरीके से खेती करने तथा पूसा संस्थान से जुड़ने का आग्रह किया।

इस कार्यक्रम में डॉ. निर्मल चंद्रा, प्रधान वैज्ञानिक (प्रभारी, कैटैट) ; डॉ. जे पी सिंह, प्रधान वैज्ञानिक (कीट विज्ञान); डॉ. एम एस सहारन, प्रधान वैज्ञानिक (पादप रोग विज्ञान); डॉ. राज सिंह, अध्यक्ष, (सस्य विज्ञान); डॉ. सुनील पब्बी, अध्यक्ष, (सूक्ष्म जीव संभाग) तथा डॉ. एन वी कुंभारे, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एटिक उपस्थित रहे।









